अनेकार्थ और नाममाला।

अर्थात्

प्राचीन कवि नन्ददास जी कृत दोहा कोष जिसमें
उक्त कविजी ने कोष के शब्दों के नाम और
अपनी रसीली कविता का अपूर्व चम-
त्कार साथही दिखाया है।



इस पुस्तक को बहुत शोध कर बाबू अमीर सिंह
की सम्मति से

बनारस

हरिप्रकाश यन्त्रालय में जगन्नाथ प्रसाद ने
तीसरी बार मुद्रित किया।

अथ अनेकार्थ।



श्रीगणेशाय नमः ।

दोहा । जोप्रभुजोतिजगतमय कारणकरनअभेव।
विघनहरनसबसुखकरन नमोनमोतादेव ॥ १ ॥
एकैवस्तुअनेकहै जगमगातजगधाम।
जिमिकञ्चनकेकिंकिनी कङ्कनकुण्डलनाम ॥ २ ॥
उचरिसकतनहिंसंस्कृत समुझनकोअसमर्थ ।
तिनलगिनन्दसमतिजथा भाषाकियोसुअर्थ ॥ ३ ॥
शब्दएकनानाअरथ मोतिनकैसोदाम।
जोनरकरिहैंकण्ठसो ह्वैहैंकविकेधाम ॥ ४ ॥
गो शब्द । गोइन्द्रीदिववाकजल स्वर्गसुदृष्टअनिन्द ।
गोभूमीगोतीरगो किरनवज्रगोविन्द ॥ ५ ॥
सुरभी शब्द । सुरभीचन्दनसुरभिमृग सुरभीवज्ररवसन्त ।
सुरभीचंपकवनकहै जोजगकर्ताकन्त ॥ ६ ॥
मधु श० । मधुबसन्तमधुचैत्रद्रुम मधुमदिरामकरन्द।
मधुकरमधुपैमधुसुधा मधुसूदनगोविन्द ॥ ७ ॥
कलि श० । कलिकलेसकलिछरमा कलिनिषंगसंग्राम ।
कलिकलियुगयहऔरनहिं केवलकेशवनाम ॥ ८ ॥
आत्मा श० । मनबुधिचित्तस्वभावतन धर्मजीवअहँकार ।
इनकोकहियेआतमा परमात्माअधार ॥ ९ ॥

अर्जुन श० । अर्जुनद्रुमअर्जुनधवल सहसार्जुनतत्थ ।
अर्जुनबक्रयोपाडुसुत हरिखेलतजेहिंसत्थ ॥ १० ॥

धनञ्जय श० । अग्निधनञ्जयकहतकवि पवनधनञ्जयआहि ।
अर्जुनबक्ररिधनञ्जय कृष्णसारथीजाहि ॥ ११ ॥

पत्र श० । पत्रशरकहोपत्ररथ पत्रवाहिनीचित्त ।
पत्रपर्णविधिनादिये जिनउड़मिलतेमित्त ॥ १२ ॥

पत्री श० । पत्रीतरुपत्रीकमल पत्रीबक्ररिविहंग ।
पत्रीसरकरचित्रजिमि इनसेवक्रश्रीरंग ॥ १३ ॥

बरही श० । बरहीद्रुमबरहीअगिन बरहीकुरकुटनाम ।
बरहीमोरकिशोरके चन्द्रधरेसिरस्याम ॥ १४ ॥

धाम श० । धामतेजऔधामतन धामकिरनगृहधाम ।
धामजोतजोब्रह्मदै धनोभूतहरिस्याम ॥ १५ ॥

काम श० कामभोगअभिलाषपुनि मन्मथकहियेकाम ।
कामकाजजनिभूलिभ्रम भजलेमनअभिराम ॥ १६ ॥

बाम श० । बामकुटिलऔबामशिव बामकामतनबाम ।
बाममनोहरकोकहत जैसेमोहनश्याम ॥ १७ ॥

भव श० । भवशङ्करसंसारभव भवकहियेकल्यान ।
भवसुन्दरजसजगतफल जबभजियेभगवान ॥ १८ ॥

कं श० । कंसुखकंजलकंअनल कंशिरकंपुनिकाम ।
कंकंचनतेप्रीतितजि सदाकहोहरिनाम ॥ १९ ॥

कल्प श० । कल्पकुशलओदिवसजो कल्पसमर्थजुहोय ।
कल्पकटकतजिहरिभजो कल्पवृक्षसमसोय ॥ २० ॥

कर श० । करगजसुण्डसुहस्तकर करजुकिरणकरदान ।
करविषजैसेतजिविषय भजिहरिअमीनिधान ॥ २१ ॥

दर अ०। दरजुकहतकविअङ्कको दरईषतकोनाम।
दरडरतेंराखोकुंअर मोहनगिरधरश्याम ॥ २२ ॥
बर अ०। बरसुन्दरसंसारबर बरजुदेवतादेत।
बरकुंकुमबरकृष्णपुनि बरतियहियहरिलेत ॥ २३ ॥
वृष अ०। वृषसुरपतिवृषकरणपुनि वृषजुवृषभवृषकाम।
वृषसुधर्मकरिहरिभजो जौचाहोसुखधाम ॥ २४ ॥
पतङ्ग अ०। तरनिपतङ्गपतङ्गखग पावकबङ्करिपतङ्ग।
सबजगरङ्गपतङ्गको हरिएकैनवरङ्ग ॥ २५ ॥
दल अ०। दलकहियेनृपकोकटक दलपत्रनकोनाम।
दलबरहीकेचन्दशिर धरेश्यामअभिराम ॥ २६ ॥
पल अ०। पलकोमासकहतकवी पलउन्मानहिसोय।
पलजुपलकहरिबिचपरे गोपिनजुगशतहोय ॥ २७ ॥
बल अ०। बलवीरजधीरजधरम बलन्टपदलकोनाम।
बलसाहसबलदैत्यपुनि बलकहियेबलराम ॥ २८ ॥
अल अ०। अलअलमर्थसमर्थअल अलपूरनकोनाम।
अलअभरनअलअलसतजि भजोमनोहरश्याम ॥ २९ ॥
वयस अ०। वयसविहंगमकोकहत वयसकहियपुनिकाल।
वयसजुयौवनजातहै भजलेमदनगोपाल ॥ ३० ॥
जीव अ०। जीववृहस्पतिकोकहत जीवकहावेचन्द।
जीवआत्मानितजिये जगजीवननँदनन्द ॥ ३१ ॥
मार अ०। मारविघ्नविषमारपुनि मारकहावैकाम।
मारअमृतङ्गतेअमृत सुन्दरगिरिधरनाम ॥ ३२ ॥
सार अ०। सारबीर्जधीरजधरम सारबज्रधृतसार।
सारजुसबकोसांवरो जिनमोह्योसंसार ॥ ३३ ॥

कलभ ग्र० । कलभकहतकविसाधको कलभवक्ररिङ्गाल ।
कलभकलुषकलिक्लेशतें काढ़ुदीनदयाल ॥ ३४ ॥
नभ ग्र० । नभग्राश्रयनभभाद्रपद नभश्रावणकोमास ।
नभग्रकासनभनिकटही घटघटरमानिवास ॥ ३५ ॥
वसु ग्र० । अष्टमवसुहैवन्हिवसु वसुधरजवसुनीर ।
वसुधनजगमेंसोधनी धनजाकेबलबीर ॥ ३६ ॥
पटु ग्र० । पटुतीक्ष्णपटुवज्रकहि पटुग्रारोग्यकहन्त ।
पटुप्रबीनसोईजगत भजेजोरुक्मनिकन्त ॥ ३७ ॥
तुरंग कुरंग ग्र० । गगनतुरंगतुरंगमन बक्ररितुरंगतुरंग ।
हरिनकुरंगकुरंगसो रँग्योनहरिहरिरंग ॥ ३८ ॥
ग्रात्मज ग्र० । ग्रात्मजकहियेरुधिरग्रँग ग्रात्मजकहियेकाम ।
ग्रात्मजपूतसपूतहै भजेजोसुन्दरश्याम ॥ ३९ ॥
कबन्ध ग्र० । बिनसिरकहतकबन्धसो कहकबन्धपुनिनीर ।
राक्षसराजकबन्धसो गतिदीन्हीबलवीर ॥ ४० ॥
हंस ग्र० । हंसतुरंगमहंसरवि हंसमरालसुछन्द ।
हंसजीवकोकहतकवि परमहंसगोविन्द ॥ ४१ ॥
पयोधर भूधर ग्र० । मेघग्रर्ककुचशैलद्रुम राजपयोधरग्राहि ।
भूधरगिरिभूधरन्टपति भूधरग्रादिवराह ॥ ४२ ॥
बाण ग्र० । बाणकहावेबलितनय विशिषग्राहिपुनिबाण ।
बाणकहतकविस्वर्गको श्रीहरिपदनिर्वाण ॥ ४३ ॥
बरुन ग्र० । बरुनकहतपतिनीरके बरुनश्यामकोनाम ।
बरुनहरेजबनंदनद कैसेधायेश्याम ॥ ४४ ॥
गोत्र ग्र० । गोत्रनामकोकहतकवि गोत्रसैलसुनियंत ।
गोत्रबंधुसोधनजहां विद्यायुतगिनियंत ॥ ४५ ॥

तन श॰। तनशरीरविस्तारतन तनहुत्वमतननतान।
तनविरकोकोउजगत सुनैजुहरिहरवात ॥ ४६ ॥
बाल श॰। बालसिरोरुहबालसिसु मूककहावेबाल।
बालसोईहैंजगतमें भजेसोबालगोपाल ॥ ४७ ॥
जाल श॰। जालझरोखाजालगन जालदंभऔमंद।
जालफांसविद्याजगत निरखिननतजिनँदनंद ॥ ४८ ॥
काल श॰। कालअसितवोकालवय धर्मराजपुनिकाल।
कालव्यालकेकालहरि मोहनमदनगोपाल ॥ ४९ ॥
ताल श॰। तालतालहरितालपुनि दोइकरसोकरताल।
तालवृक्षफलखायकर हतोदनुजनँदलाल ॥ ५० ॥
व्याल श॰। व्यालकहतहैंक्रूरनर दुष्टस्वपदगजव्याल।
व्यालसर्पसिरपरचढ़त चेतकुवरनँदलाल ॥ ५१ ॥
जलज श॰। जलजमीनमोतीजलज जलजशंखअरुचन्द।
जलजकमलजिमिफिरतपुनि ब्रजआवतनँदनन्द ॥ ५२ ॥
तम श॰। तमतामसपुनिराहुतम तमजतिमिरतमक्रोध।
तमअज्ञानकोहरकुहरि उरधरिदीपप्रबोध ॥ ५३ ॥
गुन श॰। गुनराजतगुनछत्रपुनि गुनकमानकीजेह।
गुनचरित्रगोविन्दके गावहुउरधरिनेह ॥ ५४ ॥
अवि श॰। अवीशैलअविमेषपुनि अविसविताकोनाम।
अविरक्षकसबजगतको एकहिसुंदरश्याम ॥ ४५ ॥
बन श॰। बनपानीकोकहतकवि बनवारिदकोजाल।
बनकाननतेसुरभिसँग बनआवतनँदलाल ॥ ५६ ॥
घन श॰। घनदृढ़घनविस्तारपुनि घनजिहिंगढ़तलोहार।
घनअंबुदघनसघनघन घनरुचिनन्दकुमार ॥ ५७ ॥

बरन ग्र० । बरनस्तुतिश्राखरबरन बरनद्विजादिकचार ।
बरनश्रसनसितपीतहै श्रबरननंदकुमार ॥ ५८ ॥
पोत ग्र० । पोतकहावैनिपटशिशु पोतजुवस्त्रश्रनूप ।
पोतनावजिमिजलधिमधि श्यामनामसुखरूप ॥ ५९ ॥
बुध ग्र० । बुधपण्डितकोकहतहैं बुधशशिसुतहिबखान ।
बुधहरिकोश्रवतारइक बोधभयोजिहिंज्ञान ॥ ६० ॥
श्रनन्त ग्र० । गगनश्रनन्तहिकहतबुध बहुरिश्रनन्तश्रनेक ।
शेषश्रनन्तकहतकवी हरिश्रनंतश्ररुएक ॥ ६१ ॥
क्षय ग्र० । क्षयनिवासकोकहतकवि क्षयकहियेक्षयरोग ।
क्षयपरलयमधहरिविषै लीनहोतसबलोग ॥ ६२ ॥
राजीव ग्र० । राजिवशशिराजिवश्रनिल राजिवमुक्तामीन ।
राजिवनाभिगोविंदकी होइरहियेमनलीन ॥ ६३ ॥
लोक ग्र० । लोकव्याकरनलोकजन लोकदेहरसमूल ।
तीनलोकसुतउदरमें रहीजसोमतभूल ॥ ६४ ॥
शुक ग्र० । शुकनिश्चरश्ररुशुकगन शुकसुजेठकोमास ।
शुकजुश्रजहूंबावनहिंप्रति पलपलभरतउसास ॥ ६५ ॥
खग ग्र० । खगरविखगससिखगपवन खगश्रंबुदखगदेव ।
खगविहंगहरिसुतरूतजि खगउरसेवलसेव ॥ ६६ ॥
कलाप ग्र० । गुनकलापढंनीरकहि श्रभरनश्राहिकलाप ।
बरहीवृन्दकलापपुनि हरिहरिभजनकलाप ॥ ६७ ॥
ब्रह्म ग्र० । ब्रह्मब्रह्मकुलब्रह्मविधि ब्रह्मवेदश्रोजीय ।
ब्रह्मनन्दकेसदनमें ताहिनचावतितीय ॥ ६८ ॥
उडु उडुप ग्र० । उडुविहंगउडुनखतगन उडुकैवर्तकश्राहि ।
उडुपचन्द्रनौकाउडुप उडुपगरुड़बड़श्राहि ॥ ६९ ॥

मन्द ग्र० । मन्दसनीचरमन्दखल मन्दअल्पअघमन्द ।
मन्दमूढ़नरतजुजगत जेनभजहिंनँदनन्द ॥ ७० ॥
बारन ग्र० । बारनकहियेबरजिबो बारनक्षारसनाह ।
बारनगजहरिउरधयो आनग्रस्योजबग्राह ॥ ७१ ॥
स्यन्दन ग्र० । स्यन्दनजलकहँकहतकवि स्यन्दनचित्रतुरंग ।
स्यन्दनरथचढ़िरुक्मिनी लैआयेश्रीरंग ॥ ७२ ॥
मंथी ग्र० । मंथीससिमंथीमदन मंथीग्रामप्रचण्ड ।
मंथीबक्ररोराक्रहै जोहरिकरबिचखण्ड ॥ ७३ ॥
कौसिक ग्र० । कौसिकगुग्गुलदण्डपुनि कौसिकघूघूनाम ।
कौसिकविश्वामित्रहैं जिनजाचेश्रीराम ॥ ७४ ॥
पुष्कर ग्र० । पुष्करजलपुष्करगगन पुष्करशुंडगयंद ।
पुष्करतीरथपापहर पुष्करनामगोविंद ॥ ७५ ॥
अंबर ग्र० अंबरअमृतकोकहत अंबरगगनसुभाइ ।
अंबरपीतजुश्यामतन रहीजुतड़ितलजाइ ॥ ७६ ॥
संबर ग्र० । संबरजलसंबरअसुर संबरसैलअनूप ।
संबरबाधकगाढ़गहि कृष्णनामसुखरूप ॥ ७७ ॥
कंबल ग्र० । कंबलजलपरवाहपुनि कंबलगुग्गलचाम ।
कंबलबक्ररोऊनहै कंबलमंगलनाम ॥ ७८ ॥
नग ग्र० । नगकहियतुद्रुमनगरतन नगकहियतपुनिधाम ।
नगजिहिगिरतेंकान्हको भयोसुनगधरनाम ॥ ७९ ॥
नाग ग्र० । नागपत्रऔनागगज नागदुष्टनरवाम ।
नागसर्पसंसारको सिद्धमंत्रहरिनाम ॥ ८० ॥
करन ग्र० । करनकहावेरवितनय करनकहतपुनिकान ।
करननावजिहिखेइये करनहारभगवान ॥ ८१ ॥

द्विज श० । द्विजपंछीकोकहतकवि द्विजकहियेपुनिदन्त ।
तीनवरनतेंद्विजवड़ो अवजानेभगवन्त ॥ ८२ ॥

अज श० । अजवकराअजपितामह अजकहियेपुनिईस ।
अजजीवनभरनरकहत अजएकैजगदीस ॥ ८३ ॥

सिव श० । सिवसुखसिवकल्यानपुनि श्रेष्टपुरुषसिवसोय ।
शिवशंकरअरुशिवसलिल कृष्णसदाशिवहोय ॥ ८४ ॥

विरोचन श० । ब्रह्माविरोचनसुरजपुनि चन्द्रविरोचनगात ।
हृदयविरोचनधन्यसो जाकेवलसोतात ॥ ८५ ॥

बलि श० । बलिहरिपूजाअसुरकहि बलिभोजनबलिभाग ।
बलिराजाबलिलच्छमी जाहियनरअनुराग ॥ ८६ ॥

वृक श० । वृकजावकसोकहतकवि वृकभिड़राकोनाम ।
वृकदानवदलदेवशिव राखेसुन्दरस्याम ॥ ८७ ॥

रज श० । रजराजसआकाशरज रजयुवतीमेंहोय ।
रजधूलीरजपापकहि रजजलनिरमलधोय ॥ ८८ ॥

कुस श० । कुससीतासुतदर्भकुस कुसकहियेपुनिनीर ।
कुसदानवदलकारकर तहांवसेवलबीर ॥ ८९ ॥

कंबु भुवन श० । कंबुसंखऔकंबुगज कंबुइष्टकोनाम ।
भवनगगनऔभुवनजल त्रिभुवननायकस्याम ॥ ९० ॥

कूट श० । कूटवक्रतअरुकूटगिरि अहिनरकूटकहन्त ।
कूटकपटकहँनिपटतज भजलेमनभगवन्त ॥ ९१ ॥

खर श० । खरराक्षसखरस्वानखर खरतीछनकोनाम ।
खरगरदभजगमैंसोई जेनभजेहरिनाम ॥ ९२ ॥

कुज जम श० । कुजमंगलकुजभद्रद्रुम कुजभौमासुरनाम ।
जमजगजमजमराजतें राखहुसुन्दरस्याम ॥ ९३ ॥

हरिनी श० । हरिनीप्रतिमाहेमकी हरिनीम्रगकीतीय ।
हरिनीजुवतीबाजकी फूलमालहरवाय ॥ ९४ ॥
धात्री श० । धात्रीकहियेआँवरो धात्रीधायबखान ।
धात्रीधरनीसेसस़िर सोहैतिलपरमान ॥ ९५ ॥
सिवा श० । सिवाशंभुकीसुन्दरी सिवास्यामकीबाम ।
सिवाहरीजिमिरोगहर इमअघहरहरनाम ॥ ९६ ॥
रसना श० । रसनाकांचीकहतकवि रसनाबक्रुरोदाम ।
रसनाजिह्वातासुकी जोभजलेहरिनाम ॥ ९७ ॥
रंभा श० । रंभाकहियेअपसरा रंभाकदलीनाम ।
रंभागोकुलकीवधू जिनमोहेघनस्याम ॥ ९८ ॥
माया श० । मायाछलमायादया मायानेहकहन्त ।
मायामोहनलालकी जिनमोहेसबसन्त ॥ ९९ ॥
इला श० । इलामहीबुधतीइला इलाउमाअभिराम ।
इलासरस्वतिसेभजे जोजानेअभिराम ॥ १०० ॥
जोति श० । जोतिनखतगनजोतिदुख जोतिनेत्रअरुआग ।
जोतिब्रह्मजोथिररहै रहबजगतजिहिलाग ॥ १०१ ॥
सुमना श० । सुमनाकहियेमालती सुमनामुदितातीय ।
सुमनारतिसोइकान्हसों करलेलंपटजीय ॥ १०२ ॥
इड़ा श० । इड़ाअहिनभदेवता इड़ाभूमिअभिराम ।
इड़ाअंबिकामातमोहि प्रीतिदेहिघनस्याम ॥ १०३ ॥
अजा निशा श० । अजाछागमायाअजा जिमिमोहैअजबाम ।
निशाजामिनीकहतकवि निसाहरिद्रानाम ॥ १०४ ॥
बिधि श० । बिधीकालबिधिदेवता बिधिकहियेजुबिधान ।
बिधिकीबिधिजोहरिरची सोईबिधिपरमान ॥ १०५ ॥

जृम्भ श० । जृम्भअलसकरबलितनर जृम्भकहावेमूढ़ ।
जृम्भकपटतजिहरिभजो घटघटपरगटगूढ़ ॥ १०६ ॥
हस्त श० । हस्तकहतगजसुण्डसों हस्तनक्षत्रसुभाइ ।
हस्तहाथतेंडारिये हरिहीरातनपाइ ॥ १०७ ॥
क्षतान्त श० । आगमशास्त्रकृतान्तसब पुनिसिद्धान्तकृतान्त ।
जमकृतान्तकेत्रासतें राखकृकमलाकान्त ॥ १०८ ॥
मित्र श० । मित्रभानुकोकहतकवि मित्रअग्निकोनाम ।
मित्रमित्रसबजगतके एकैसुन्दरश्याम ॥ १०९ ॥
सारंग श० । पिकचामरकचसंखकुच करवाइसग्रहहोय ।
खंजनकंजलखानमद् कामबिसनहैसोय ॥ ११० ॥
क्षितीतलावभुजंगपुनि कोवड़मानसमान ।
सारंगश्रीभगवानको भजियेआठौजाम ॥ १११ ॥
सारंगसुन्दरकोकहत रातदिवसबड़भाग ।
खगपानीअरुघनकहिय अंबरअबलाराग ॥ ११२ ॥
रविससिदीपकगगनहरि केहरिकुंजकुरंग ।
चात्रिकदादुरदीपहल येकहियेसारंग ॥ ११३ ॥
हरि श० । इन्द्रचन्द्रअरविन्दअलि कपिकेहरिआनन्द ।
कंचनकामकुरंगबस धनुषदण्डनभचन्द ॥ ११४ ॥
पानीपावकपवनपथ गिरिगजनागनरिंद ।
जेहरिइनकेमुकुटमनि हरिईश्वरगोविंद ॥ ११५ ॥
ध्रुव श० । ध्रुवनिसिचरध्रुवजोगपुनि ध्रुवध्रुवपदध्रुवताल ।
ध्रुवतारेतिहिअटलगुन गुनगोबिन्दगोपाल ॥ ११६ ॥
सुमनस । सुमनससुरसुमनसपुहुप सुमनसबकुरिवसन्त ।
सुमनसजेहिमनमेंबसहि सेसबकमलाकन्त ॥ ११७ ॥

बिटप शृ० । बिटपश्ररगपल्लवबिटप बिटपकहतबिस्तार ।
बिटपवृक्षक्रीडारगहि ठाढ़ेनन्दकुमार ॥ ११८ ॥
दान शृ० । दानद्विजनकोदेतसो गजमदकहियेदान ।
दानसांवरेलेतबन गोपीप्रेमनिधान ॥ ११९ ॥
रस शृ० । रसनवरसघृतरसश्रमृत रसविषयाश्ररुनीर ।
रसवरकोरसप्रेमरस जाकेरसबलबीर ॥ १२० ॥
सनेह शृ० । तेलसनेहसनेहघृत बह्मरोप्रेमसनेह ।
सोनिजचरननगिरधरन नन्ददासकहँदेह ॥ १२१ ॥
गौरी शृ० । गौरीहैश्रंबासुता गौरीहरिदीहोइ ।
गौरीगिरिजासुन्दरी शिवश्रर्धङ्गीसोइ ॥ १२२ ॥
श्यामा शृ० । श्यामातियजोरजबिना श्यामारजनीहोइ ।
श्यामाकहियेप्रीतिकों करोश्यामसोंसोइ ॥ १२३ ॥
हरिद्रा शृ० । कहियहरिद्राबनथली सीसाहरिद्राहोय ।
मंगलबह्मरिहरिद्रा हरदहरिद्रासोय ॥ १२४ ॥
बारुनी शृ० । गजगतिकहियेबारुनी सुराबारुनीनाम ।
पश्चिमदिसिहैबारुनी बरुणबसहिंतेहिठाम ॥ १२५ ॥
सुधा शृ० । सुधादूधबिजुरीसुधा सुधाबलीनिजधाम ।
सुधावधूपुत्रीसुधा सुधाश्रमृतकोनाम ॥ १२६ ॥
सुभा शृ० । सुभासुधासोभासुभा सुभासिद्वपरनारि ।
बह्मरोसुभाहरीतकी हरिपदकीरजधारि ॥ १२७ ॥
कनक शृ० । राजतवृषजुरहेसदा बह्मरोकनकखजूर ।
कनकधतूरेसोकहत कनकस्वर्णसुखमूर ॥ १२८ ॥
तात केतकी शृ० । तातपिताश्ररुभ्रातकहि तातपुत्रकहँजान ।
फूलचन्द्ररवकामरस पंचकेतकीनाम ॥ १२९ ॥

सीता ग्र० । सीतानिधिसीताछमा सीतागंगाहोय ।
सीतासियग्रौदेवता जेहिजांचेसबकोय ॥ १३० ॥
मुद्रा ग्र० । मुद्राविश्वाकहिनटी मधुमाखीग्रौलाख ।
इनकोमुद्राकहतहैं मूरखनरग्रौदाख ॥ १३१ ॥
बला ग्र० । बलामयनधरनीबला बलाग्रौषधीहोय ।
बलाचंचलालछमी जिहिजांचेसबकोय ॥ १३२ ॥
चक्र ग्र० । चक्रवरनरथचक्रगन चक्रविहंगबिसेस ।
चक्रसुदर्शनकृष्णको चक्रनृपतिकोदेस ॥ १३३ ॥
पुण्डरीक ग्र० । पुण्डरीकसायककहत पुण्डरीकग्राकास ।
पुण्डरीकहरिकमलजहँ तहांकमलकोवास ॥ १३४ ॥
परिघ ग्र० । परिघवज्रपरबतपरिघ ग्ररसरसर्वविसेष ।
परिघबानजलथलनदी परिघहरससिसेष ॥ १३५ ॥
नेत्र ग्र० । नेत्रनयनग्रौनेत्रपटु मृगमदनेत्रकहन्त ।
नेत्रग्यानजबजगमगे तबकहियेभगवन्त ॥ १३६ ॥
पंथी ग्र० । पंथीहरिनीकोंकहत पंथीमायाजीव ।
पंथीबक्ररोईश्वरी जिहिसबकिनबसकीव ॥ १३७ ॥
कह ग्र० । कहब्रह्माकहपवनधन कहकहियेपुनिघाम ।
कहक्तिमेंनरऊपजे भजैनसुन्दरस्याम ॥ १३८ ॥
हार ग्र० । हारकुसुममोतियानकी हारक्षेत्रविस्तार ।
हारबिरहकाननकहें रजतउमायाहार ॥ १३९ ॥
ग्रहि ग्र० । ग्रहिवासरग्रहिरुधिरपुनि ग्रहिएकदानवनाम ।
ग्रहिभुजङ्गजमुनापयो सोनाथ्योघनस्याम ॥ १४० ॥
तन्त ग्र० । तन्तनारग्रौतन्तसुख सिद्धग्रौषधीतन्त ।
तन्तकहतसन्तानकहँ हरिरसजानकृतन्त ॥ १४१ ॥

क्षिन ग्र० । क्षिनउत्सवअरुनेमक्षिन क्षिनजुमुहूर्तकहन्त ।
क्षिनयहसमयनपाइये भजलेमनभगवन्त ॥ १४२ ॥
काष्ट ग्र० । काष्टकालयाबिसखई काष्टअमरपुरकाष्ट ।
काष्टजुवक्ररिवसुन्धरा बुद्धिहीननरकाष्ट ॥ १४३ ॥
पलास ग्र० । हरितजुबनपलासकहि रक्षकबक्ररिपलास ।
दुर्मदसैलपलासकहि बक्ररोकठिनपलास ॥ १४४ ॥
सित ग्र० । सितरूपौसितज्ञानपुनि सितसक्तनहिकहन्त ।
सिततीक्षनसितसुक्रपुनि सितउज्वलभगवन्त ॥ १४५ ॥
गुरु ग्र० । गुरुनृपगुरुमातापिता गुरुप्रोहितगुरुछंद ।
अक्षगुरुदीरघगुरुकहें सबकेगुरुगोबिंद ॥ १४६ ॥
नन्दन ग्र० । नन्दनचन्दनकोकहत नन्दनबनघनदात ।
नन्दनकहियेपुत्रकहँ जेहिहरषेपितुमत ॥ १४७ ॥
अवतंस ग्र० । भ्रातपुत्रअवतंसकहि अलअवतंससुजान ।
सोरहबरसीवयसको अभिनवकंतसुमान ॥ १४८ ॥
कुंतल ग्र० । छत्रधारकुंतलकहत कुंतलकपटोवेस ।
खण्डपानकुंतलकहें कुंतलबक्ररोकेस ॥ १४९ ॥
कोन द्रोन । कोनमहीअरुकोनदिस गृहअन्तरकहिकोन ।
द्रोनकाकअरुद्रोनगिरि करकहिबारिजद्रोन ॥ १५० ॥
कातर ग्र० । कातरकाननकोकहत कातरकहियेहार ।
कातरकहिदुरभिक्षपुनि अस्तनकरीबिचार ॥ १५१ ॥
कुथ ग्र० । कुथसुकथाकुथकोटपुनि कुथकरिकमलनिसोइ ।
प्रातस्नाईविप्रकुथ कमलकलीबिधहोइ ॥ १५२ ॥
कुन्त ग्र० । कुन्तसलिलऔकुन्तसह कुन्तअनिलबसुकाल ।
कुन्तकमलपुनिकुन्तसुख कुन्तसुरंगकराल ॥ १५३ ॥

दोहा। अनेकार्थकीमंजरी पढ़ैसुनैनरकोय।
अर्थभेदजानैसबै पुनिपरमारथहोय ॥ १५४ ॥

इति अनेकार्थ संपूर्णम् ॥



अथ नाममाला।



श्रीगणेशाय नमः।

दोहा। तन्नमामिपदपरमगुरु कृष्णकमलदलनैन।
जगकारणकरुणार्णव गोकुलजाकोऐन ॥ १ ॥
उचरसकतनहिंसंस्कृत जान्योचाहतनाम।
तिनहितनन्दस्वमतियथा रचतनामकीदाम ॥ २ ॥
गूंथनिनानानामकी अमरकोषकेभाय।
मानवतीकेमानपर मिलेअर्थसबआय ॥ ३ ॥
हृदयनाम। उरवक्षपुनिवक्षकहि पियहियलखिनिजकाय।
यातेंवक्षजोमानहित आनतियाकेभाय ॥ ४ ॥
मान नाम। अहंकारमददर्पपुनि गर्वसमयअभिमान।
मानराधिकाकुंवरिको सबकोकरकल्यान ॥ ५ ॥
सखी नाम। वयसासाध्वीसुमुखिसखि हितूसहचरीआदि।
अलीकुंवरिवृषभानकी चलीमनावनताहि ॥ ६ ॥
बुद्धि नाम। बुद्धिमनीषाप्रज्ञासुधी मेधाधिषनाधीय।
मतिसोंमतोकरतचली भलीविलक्षणतीय ॥ ७ ॥
सरस्वती नाम। वाणीवाकसरस्वती गिराशारदानाम।
चलीमनावनभारती वचनचातुरीकाम ॥ ८ ॥
शीघ्र नाम। आशुझटितिद्रुततूर्णलघु क्षिप्रसत्वरउत्ताल।
तुरतचलीचातुरअली आतुरलखिनँदलाल ॥ ९ ॥

धाम नाम। सदनसद्मआरामगृह गेहवेश्मसंकेत।
लैमधिष्टपदआस्पद आलयनिलयनिकेत ॥ १० ॥
मन्दिरमण्डपआयतन बसतिहरम्यस्थान।
भवनभूपवृषभानके गईसहचरीजान ॥ ११ ॥
सुवर्ण नाम। कंचनअर्जुनकान्तिसुर चामीकरतपनीय।
अष्टापदहाटकपुरट महारजतरमणीय ॥ १२ ॥
सोनेहीकेसदनसब मानिकगचसजदेत।
जहांतहांनरनारिसब झांईझुकिझुकिलेत ॥ १३ ॥
रूपा नाम। रुक्मरजतदुर्दोनलघु जातरूपखर्ज्जूर।
रूपेकेगोशालतहँ भूपभवनतेंदूर ॥ १४ ॥
उज्जल नाम। शुक्लशुभ्रपाण्डुरविशद अर्जुनसितअवदात।
धवलनवलऊंचेअटा करतछटासोंबात ॥ १५ ॥
शोभा नाम। भाआभाशोभाप्रभा सुखमापरमाकान्ति।
छविद्युतिअतिलखियतजहां सुरनहोतमनभ्रान्ति ॥ १६ ॥
किरण नाम। अंशुगभस्तमयूषकर गोमरीचिवसुज्योति।
रश्मिपरसिशशिहरकी जगमगजगमगहोति ॥ १७ ॥
मयूर नाम। नीलकंठकेकीबरहि शिखीशिखण्डीहोय।
शिवसतबाहनअहिभषी मोरकलापीसोय ॥ १८ ॥
नटतमयूरअटनचढ़े अतिहिभरेआनन्द।
निसदिनउनएरहतहैं नवनीरदनँदनन्द ॥ १९ ॥
सिंह नाम। पुण्डरीकहरिपंचमुख कंठीरवमृगराय।
सिंहपौरवृषभानकी सहचरिपङ्कचीजाय ॥ २० ॥
अश्व नाम। बाजीबाहतुरंगहय सैंधवअश्वगंधर्व।
तरलतुरंगमजहँबँधे हयशालावेसर्व ॥ २१ ॥

हस्ती नाम। हस्तीदन्तीद्विरदद्विप पद्मीवारणव्याल।
इभकुंभीकुञ्जरकरी स्तंभेरमसुण्डाल ॥ २२ ॥
सिंधुरमदवरनागकपि गजसावजमातङ्ग।
हरिगयन्दभरू मनखरे रञ्जितनानारङ्ग ॥ २३ ॥
सिद्धि नाम। अणिमामहिमागरिमा लघिमाप्राप्तिप्रकाम।
वशीकरणअरुईशिता अष्टसिद्धिकेनाम ॥ २४ ॥
एकङ्कसिद्धीविश्वकर तेद्दिसिधकहसंसार।
तेवृषभानभुआलकी द्वारवोद्दारनद्दार ॥ २५ ॥
नवनिधि नाम। महापद्मअरुपद्मपुनि कच्छपमकरमुकुन्द।
शङ्खखर्वअरुनीलये अपरकहावतनन्द ॥ २६ ॥
येनवनिधिजेजगतमें बिरलेकाहूदीख।
तेयावल्लभराजके परतभिखारीभीख ॥ २७ ॥
मुक्ति नाम। मुक्तिअम्रतकैवल्यपद अपुनर्भवअपवर्ग।
निश्रेनीनिर्वाणसुख महासिद्धिपरस्वर्ग ॥ २८ ॥
मुक्तिजोचारप्रकारकी नहिंपैयतजपयोग।
तेवृषभानभूआलके पावतपामरलोग ॥ २९ ॥
राजा नाम। स्वामीअधिपतिप्रभुबड़े नरपतिक्षितपतिभूप।
बाङ्जभूपतिन्रपतिन्रप श्रीवृषभानअनूप ॥ ३० ॥
इन्द्र नाम। शक्रशतक्रतुशचीपति संक्रन्दनपुरहूत।
कौशिकवासववृत्रहा मघवामातलिहूत ॥ ३१ ॥
सहस्राक्षवृद्धश्रवा तुराषाटसुरभूप।
सुनासीरपुनिदिवसपति लेखर्षभसुअनूप ॥ ३२ ॥
जिष्णुपुरन्दरवज्रधर आखण्डलरिपुपाक।
शोभितजहँवृषभानन्रप कोहैइन्द्रबराक ॥ ३३ ॥

देव नाम देवअमरनिर्जरविबुध सुरसुमनसत्रिदिवेश।
वृन्दारकसुविमानगति अग्निजिह्वअमृतेश ॥ ३४ ॥
दिविषद्लेखावन्हिमुख गीर्वाणअनिमोप।
कौनदेवतारंकजहँ बनिबैठेसबगोप ॥ ३५ ॥
अमृत नाम। सोमसुधापीयूषमधु अगदकारसुरभोग।
अमीअमृतजहँहरिकथा मतेरहतसबलोग ॥ ३६ ॥
भृत्य नाम। विधिकरकिङ्करदासपुनि अनुचरअनुगपदाति।
भृत्यफिरतजहँमयनसे कबिबरनीनहिंजाति ॥ ३७ ॥
दासी नाम। भृत्यादासीकिङ्करी चेरीभरेजुअम्भ।
राजतिमणिमयअजिरमें कोउरवशिकोरम्भ ॥ ३८ ॥
अन्तःकरण नाम। स्वान्तहृदयमन्मथपिता अत्मामानसनाउं।
चितमनसोचतसद्चरी भीतरकैसेजाउं ॥ ३९ ॥
अञ्जन नाम। कज्जलजलपाटलमुखी नागदीपसुतसोय।
लोपांजनदृगदैचली नाचिनदेखैकोय ॥ ४० ॥
हीरा नाम। निःकंपादकवज्रपुनि हीरापदकजुऐन।
निष्कसकुचतियनिरखितन भूपभवनकबिमैन ॥ ४१ ॥
मोती नाम। शशिमोतीमोतीगुलिक जलजसीपसुतनाम।
मुक्तावन्दनवारतहँ शोभितसुन्दरधाम ॥ ४२ ॥
मङ्गल नाम। कुजअङ्गारकभौमपुनि लोहिताङ्गमहिबाल।
मङ्गलसेठाढ़ेउदित धरेजोदीपकलाल ॥ ४३ ॥
शुक्र नाम। उशनाभार्गवकाव्यकवि असुरपुरोहितसोहि।
गजमुक्तनकेमालयह शुक्रधरेजनुपोहि ॥ ४४ ॥
लक्ष्मी नाम। श्रीपद्मापद्मालया कमलाचपलासोय।
सिंधुसुतामाइन्दिरा विष्णुवल्लभासोय ॥ ४५ ॥

जाकीनैनकटाक्षछवि रहीसकलजगछाय।
सोलक्ष्मीवृषभानगृह आपुहिंप्रगटीआय ॥ ४६ ॥
माता नाम। अंबासावित्रीप्रसू जननीमातानाम।
जननीराधाकुंवरिकी बैठीमङ्गलधाम ॥ ४७ ॥
नमस्कार नाम। वंदनअतिवंदनप्रणत नमस्कारकरिताहि।
लंबप्रणामकरतचली जहांकुंवरिबरआहि ॥ ४८ ॥
सीढ़ी नाम। आरोहणआरोहपुनि निःश्रेणीसोपान।
मणिमयसीढ़ीसखिचढ़ी लखीनकाहूआन ॥ ४९ ॥
शय्या नाम। कशिपुतल्पशय्याशयन संस्तरपुनिशयनीय।
दुग्धफेनसीसेजपर बैठीतियकमनीय ॥ ५० ॥
तकिया नाम। उपबर्हनउपधानपुनि कंदुकसोईक्षीय।
मृदुलउशीशोउठँगिकै बैठीतियरिसनीय ॥ ५१ ॥
बेटी नाम। पुत्रीदुहिताकन्यका तनयातनुजाहोय।
सुताजहांवृषभानकी तहांगईसखिसोय ॥ ५२ ॥
फूल नाम। कुसुमप्रसूनसमदसुमन पुष्पफलपितानाम।
फूलमंजरीगेंदकर खेलतछविसोंबाम ॥ ५३ ॥
बंसी नाम। बंसीकुम्भीमोनघ्ना मच्छघातिनीनाम।
बेसरसोंउरझीजुलट मानोबंसीकाम ॥ ५४ ॥
श्रवण नाम। श्रवणश्रोत्रश्रुतिशब्दगृह कर्णसोश्रवणगँभीर।
मनोविरूपसकमलकलि फूलीशशिमुखतीर ॥ ५५ ॥
केश नाम। अलकशिरोरुहचिकुरकच कुंचितकुटिलसुढार।
कुन्तलकवरिललाटजनु चन्दहिंगईदरार ॥ ५६ ॥
ललाट नाम। मस्तकअलिकललाटपर बेंदीबनीजराय।
मनोंभालतेभाग्यमणि प्रगटीबाहरआय ॥ ५७ ॥

नेत्र नाम। लोचनअंबकचक्षुदृग ईक्षणरूपअधीन।
कक्कुरिसरातेनैनजनु जावकभीनेमीन ॥ ५८ ॥
अधर नाम। बानिओष्ठपुनिरदनच्छद अधरमधुरएह्विभाय।
नामलिखतजाकोतुरत किलककऊखत्वोइजाय ॥ ५९ ॥
दशन नाम। रदनदशनद्विजदन्तरद मदनकरतरँगभीज।
जनुनवनीरदमध्यमें शीतलविद्युतवीज ॥ ६० ॥
ठोढ़ी नाम। चिबुकचारुमधनीलकन यौंराजतछविऐन।
मनकुंरसीलेआमको मोहखरमूंदेमैन ॥ ६१ ॥
बृहस्पति नाम। धिषणशिखंडीअंगिरा सुराचार्यगुरुजीव।
वाचस्पतिजनशशितरे बनीनिबोरीग्रीव ॥ ६२ ॥
मुख नाम। आननआस्यलपनवदन वक्त्रतुण्डछविभौन।
मनकुंरूपद्रमिकागई जिमिदरपनमुखपौन ॥ ६३ ॥
ग्रीवा नाम। गलकंधरग्रीवाबकुरि गलकपोलकोयान।
पीकलीकजहँभरूलमले सबछविकीनीआन ॥ ६४ ॥
हाथ नाम। पंचशाखकरहस्तशय पाणीधरेकपोल।
बरअरविन्दविछायजनु सोवतइन्दुअडोल ॥ ६५ ॥
उरोज नाम। कुचउरोजअरुपयोधर अस्तनउरछविऐन।
कंचनसंपुटदेवजनु पूजपुजाईमैन ॥ ६६ ॥
किंकिणी नाम। रसनाकांचीकिंकिणी क्षुद्रमेखलाजाल।
क्षुद्रावलिजनुमयनगृह बांधीबन्दनमाल ॥ ६७ ॥
नूपुर नाम। तुलाकोटिमंजीरपुनि नूपुरभरूलकतपाय।
भरूमकिउठीजनुमयनकी बीणासहजसुभाय ॥ ६८ ॥
अंबर नाम। चोलनिचोलदुकूलपट अंशुकवासाचीर।
पियतनवासजुवसनमें छिनछिनहोतअधीर ॥ ६९ ॥

कीर नाम। रक्तचंचुशुककीरपुनि सुपठनपढ़पियनाम।
भरुकिम्रहरावतितसुखिसुनि अतिह्रविपावतिबाम ॥७०॥
दर्पन नाम। प्रतिबिंबितआदर्शपुनि मुकुरसुकरतियलेत।
पियमूरतिनैननिरखि फेरडारतेहिदेत ॥ ७१ ॥
वीणा नाम। तंत्रीवीणावल्लकी बहुरिविपंचीआहि।
यँत्रबजावतसहचरी बहुरोबरजतिताहि ॥ ७२ ॥
अंतरध्यान नाम। गुप्ततिरोहितअंतरित गूढ़कुदुरहबलीय।
लोचनमनकुंउलूकसखि देखीएहिबिधितीय ॥ ७३ ॥
पान नाम। नागवल्लिदलपानद्विज तामबूलसखिचाहि।
भौंहअमेठतिवितनजनु चांपचढावतआहि ॥ ७४ ॥
समय नाम। सामयसमयअनेहअरु बेलाअनिमिषकाल।
बड़ीबेरलौंसखिनमें देखीबालरसाल ॥ ७५ ॥
पानी नाम। अंबुकमलकीलालजल पैपुष्करवनबारि।
अमृतअर्णजीवनभुवन घनरसअरूपापारि ॥ ७६ ॥
मेघपुष्पअँभसर्वमुख कंकवंधरसतोय।
उदकपाथसंभरसँवर सलिलआपअपसोय ॥ ७७ ॥
अपकअमयअरुबारपुनि पानीपुष्करहोय।
लिखेयथामतिनामये संख्याचौंतिसजोय ॥ ७८ ॥
पानीनैनपखारिकै अंजनहाथोलीन।
प्रगटभई पियकोसखी निपटसुसंकितदीन ॥ ७९ ॥
भय नाम। साध्वसदरआतंकभय भीतभीरभीत्रास।
डरतसहचरीसकुचतें गईकुंवरिकेपास ॥ ८० ॥
चरण नाम। चरणचलनगतिमन्दपुनि अंघ्रिपादपदपाय।
पगवन्दनकरिसहचरी ठाढ़ीसन्मुखजाय ॥ ८१ ॥

हरिद्रा नाम। पीतागौराकाँचनी रजनीपिण्डानाम।
हरदीचूनोपरतजिमि इमिदेखनगईबाम ॥ ८२ ॥
टेढ़ा नाम। बक्रअसितकुंचितकुटिल टेढ़ीभौंहनठौर।
अरुणकमलपरप्रानजनु पंखपसारेभौंर ॥ ८३ ॥
भौंर नाम। भ्रूतन्द्रीभृकुटीकुटिल भौंहसतरकरिभाल।
बङ्कतकालबीतेतनक बोलीबालरसाल ॥ ८४ ॥
क्रोध नाम। कोपक्रोधआमर्षतम रोषपापरितुहोय।
क्रोभभरीतियकोनिरखि डरीसहचरीसोय ॥ ८५ ॥
छेम नाम। छेमभद्रमंगलअनँद संशिवशिवकल्यान।
भवकितडोलतिकुशलकह्व पूछतिकुंवरिसुजान ॥ ८६ ॥
संज्ञा नाम। संज्ञाआवैगोत्रपुनि छेमधामतुअनाम।
अमियवरसवरदरसते सवपरिपूरनकाम ॥ ८७ ॥
स्त्री नाम। इस्त्रीललनाश्रीमती दारावनिताबाम।
अवलाबालाअंगना प्रमदाकान्तानाम ॥ ८८ ॥
श्यामामहिलाभामिनी मत्तकाशिनीजान।
बामलोचनानारिपुनि योषितयोषामान ॥ ८९ ॥
तरुणीरमणीसुन्दरी तनऊरजपुनिसोय।
तियतोसीतिहुंलोकमें रचीबिरंचिनकोय ॥ ९० ॥
मामस नाम। कामानुजआमर्षकठ क्रोधमन्युकथहोय।
क्रोभभरीतियकोनिरखि खिड़कीसहचरिसोय ॥ ९१ ॥
ब्रह्मा नाम। अजकमलजविधिजगपिता धातासिद्धितहोय।
स्रष्टाचतुराननधिषण भीषणसंभूसोय ॥ ९२ ॥
शतधृतिद्रुहिणस्वयंभूपुनि बेधाब्रह्माजोय।
छविसुन्दरताजगतकी रचीसोबैयोखोय ॥ ९३ ॥

लैलैसवक्कविक्कविनकी जतह्योतीजगमांभरू।
तोष्टिरचीविधिनिपुनता बक्करीक्कैगयोबांभरू ॥ ९४ ॥
सुन्दर नाम। सुभगसुसमबंधुररुचिर कांतकामकमनीय।
रम्यसुपेसलभव्यअरु दर्शनीयरमणीय ॥ ९५ ॥
तैसोइसुन्दरवरकुंवर नागरनगधरपीय।
जोरीरचिविधिनिपुनता एकप्रानननवीय ॥ ९६ ॥
युधिष्ठिर नाम। धर्मराजआजानरिपु कौंतेयकुरुराय।
नृपतियुधिष्ठिरसमप्रिया तेरेपीयसभाय ॥ ९७ ॥
अर्जुन नाम। जिष्णुधनंजयविजयरथ फाल्गुनकिरिटीहोय।
गुडाकेशगांडीवधर पार्थकपिध्वजसोय ॥ ९८ ॥
अर्जुनसोधनुधरअवधि तिहिसमऔरनहोय।
इमितुमप्रेमअवधिसुविधि रचीविरंचिनकोय ॥ ९९ ॥
दीर्घश्वास नाम। पृथुलप्रानपरिणाहपृथु आयतभुजुविशाल।
प्रासुदीर्घश्वासाभरति केहिकारणवलिबाल ॥ १०० ॥
गंगा नाम। विष्णुपदीनिर्जननदी मंदाकिनिहरिरूप।
सुरसरिसुरधुनिजान्हवी भागीरथीअनूप ॥ १०१ ॥
निगमनदीगंगाबक्करि ध्रुवनन्दाअघहारि।
तिमितुअपियकीरतिसरित करपुनीतनरनारि ॥ १०२ ॥
सरीर नाम। कायकलेवरकुणपवपु देहआतमाअंग।
विग्रहउपधनसंप्रहन धामसरीरपतंग ॥ १०३ ॥
तुअतनसमसरिकरनलगि स्वर्गअगिनभरूपलेत।
कोमलसरससुगंधनहिं कोकविउपमादेत ॥ १०४ ॥
कमल नाम। पुण्डरीकपुष्करजलज अंजअब्जअंभोज।
पंकजसारसतामरस कुवलैकंजसरोज ॥ १०५ ॥

सतपत्रीश्रौसहसदल पद्मकुसेसयनाम ।
पंकेरुहअरबिन्दमुख लखिमलीनतोहिबाम ॥ १०६ ॥
चन्द्रमा नाम इंदुकलानिधिसुधानिधि जैवात्रिकससिसोम ।
अब्जअमीकरछपाकर विधुकहियतहिमरोम ॥ १०७ ॥
विधुसुधांसुसुभ्रांसुपुनि औषधीसनिसिनाथ ।
रजनीकरनिसिकरससी कुमुदबंधुद्दरमाथ ॥ १०८ ॥
दुजराजाससधरउदधि तनयससांकमृगांक ।
नछत्रेसकलंकधर तुवमुखउपमारांक ॥ १०९ ॥
बिछुरिचन्द्रिकाचन्द्रतजि रहिक्योंन्यारीहोय ।
मैंअवलोकतबामतोहि कछुबलिकारनसोय ॥ ११० ॥
काम नाम । मदनमनोभवमनमथन पंचसरस्मरमार ।
मीनकेतुकन्दर्पहरि व्यापकविरहबिदार ॥ १११ ॥
पुष्पचापप्रद्युमनअतन मनसिजदारनकाम ।
पतिसोरतिजिमिरूठरहि इमिदेखततोहिबाम ॥ ११२ ॥
मेघ नाम । धाराधरजलधरजलद जगजीवनजीमूत ।
मुदिरबलाहकतड़ितपति पुरजनजग्यसुपूत ॥ ११३ ॥
घनबिछुरीज्योंबीजुरी रहीअनलमनिहोय ।
मैंतोहिदेखतभामिनी कछुबलिकारनसोय ॥ ११४ ॥
बिजुरी नाम । छनरुचिछटाअकासछत तड़ितदामिनीहोय ।
चपलाबिनानघनबनै घनबिनबनैनसोय ॥ ११५ ॥
सैना नाम । कटकसुदलबलबाहनी चमूबरूथसुऐन ।
सैनाबिनानन्टपबनै न्टपबिनुबनैनसैन ॥ ११६ ॥
भ्रमर नाम । मधुकरभ्रमरद्विरेफअलि बछरसिलीमुखभृङ्ग ।
चंचरीकरोलंबपुनि कीलालैसारंग ॥ ११७ ॥

मधुपमधुव्रतमधुरसिक मधुवावनवगञ्जोर।
भ्रमरविनाछिनकेतकी केतकिबिनानभौंर ॥ ११८ ॥
पिय नाम। दयितकान्तअरुईसपुनि पियभर्त्तापतिहोय।
पियकोतोसीवल्लभा औरनदेखीकोय ॥ ११९ ॥
अमरलता नाम। व्रततीविसतीवल्लरी विरुनीअनालतान।
अमरवेलिजिमिमूलविन इमिदेखनतुअमान ॥ १२० ॥
मित्र नाम। सुहृदमित्रवल्लभसखा प्रीतमपरमसुजान।
पियप्यारेपैचलियवलि नकरुअकारनमान ॥ १२१ ॥
पुत्र नाम। आत्मजसुअनअपत्यपुनि तनुजतनयकहितात।
नँदनन्दनगोविन्दसों नकरुगर्बकीवात ॥ १२२ ॥
नर नाम। मानुषपरमपवित्रवपु मानुषमनुजप्रमान।
नरजनिजानहुनन्दसुत हरिईश्वरभगवान ॥ १२३ ॥
जोगेश्वर नाम। सन्यासीवरव्याजअनि जटलीमुण्डीहोय।
दण्डजारुभगवानभन निर्बानीपुनिसोय ॥ १२४ ॥
ऋषिभिक्षुकतापसजपी व्रतीतपोमुनिआहि।
जोगीजनमनविमलकरि नितहोखोजततादि ॥ १२५ ॥
वेद नाम। ब्रह्मनिगमश्रुतिवेदपुनि धर्ममूलनिजकाम।
निगमअगमजाकोकहत सोइवलिसुन्दरश्याम ॥ १२६ ॥
सेष नाम। सेषमहाअहिसर्पपति धरनीधरनअनन्त।
सहसवदनकरिगुनगनत तदपिनपावतअन्त ॥ १२७ ॥
धर्मराज नाम। वैवस्वतपुनिमृत्युपति सबजीवनपतिहोय।
महिषध्वजनरदण्डधर कहतकृजेसतसोय ॥ १२८ ॥
अन्तककालकृतान्तजम धर्मराजकोपन्त।
तेतुअपियसुभनामसुनि थरथरथरकांपन्त ॥ १२९ ॥

कुवेर नाम। पुन्यजनेश्वरधनदजद पतिश्रलकावतिहोय।
गुह्यकपतित्र्यंबकसखा राजराजपुनिसोय ॥ १३० ॥
नरवाहनकिन्नरश्रधिप द्रव्याधीसकुवेर।
हरिपदपंकजपरसिकै पावननाहिनबेर ॥ १३१ ॥
बरुन नाम। वसनप्रचेतापांसुपति जलचरपतिजलईस।
तेतुश्रपियकेपगनतर नितउठिघसतजुसीस ॥ १३२ ॥
दुर्गा नाम। उमाश्रपर्नाईश्वरी गौरीगिरिजाहोय।
मृडाचण्डिकाश्रंबिका भवाभवानीसोय ॥ १३३ ॥
कालीहैमसुतावरूरि सर्वमंगलानाम।
मायाजेहिश्राधारजग विश्वकारनीबाम ॥ १३४ ॥
श्रजाशिवामैनासुता सिंहेश्वरिश्रतिकान्त।
तेतुश्रपियपरतापतें रचतविस्ववरूभांत ॥ १३५ ॥
गनेश नाम। लंबोदरहेरंबपुनि द्वैमातुरइकदन्त।
मूषकवाहनगजबदन गनपतिसिवसुतसन्त ॥ १३६ ॥
कोटिविनायकजौलिखें महिसेकागदकोट।
तौपैतेरेपीयके गुनहिनश्रावैटोट ॥ १३७ ॥
धूर्त्त नाम। व्याजीजिन्हककुटिलक्षत छदमीकहतकलोजु।
कपटीकान्हरकुंवरको केतिककहतिभलोजु ॥ १३८ ॥
कुरंग नाम। ऐनहरिनबातपप्रषद हरिसारंगसोश्राय।
मृगसिसुकैसेदैगली चलीथोरश्रनखाय ॥ १३९ ॥
पाप नाम। ऐनवृजिनदुःक्षतदुरित श्रंहमलीनसपंक।
किलविषकिलमिषकलुषश्रघ कलमषशमलकलंक १४०
पापहारिज्योंनीरकर रंचकजाकोनाम।
ताकोठकपटीकहत कहाकहोंतोहिवाम ॥ १४१ ॥

पाषान नाम। ग्रावित्रसमपत्थरउपल शिलपषानअतिभार।
पानीपरपाहनतरे जाकेनामअधार ॥ १४२ ॥
नौका नाम। उडुपपोतनौकापलव तरनिवहनिजलजान।
नामनावचढ़िभवउदधि केतेतरेअजान ॥ १४३ ॥
रुधिर नाम। शोणितकोणपरक्तपुनि रुधिरअसृककक्षतजात।
लोहूपीवतपूतना पूतभईकृगात ॥ १४४ ॥
राक्षस नाम। कौणपअस्रपपुन्यजन निषकपुत्रदुर्नाद।
कर्बुरअसुरनिसाचरक्षु जातुधानक्रव्याद ॥ १४५ ॥
अघसेराक्षसपातकी मैंदेखीगतिहोत।
उलटिसमानीपिण्डमैं परगटजाकीजोत ॥ १४६ ॥
धूरि नाम। धूरधूसरीखेहरज पांसुसंचरामन्द।
जापदपंकजरेनुको वांछतसनकसनन्द ॥ १४७ ॥
सूर्य नाम। देवदिवाकरविभाकर दिनकरभास्करहंस।
मिहिरतिमिरहरप्रभाकर विवस्वानतिगमांस ॥ १४८ ॥
भानुबिभाकरबिभावसु सविताहूर्यपतंग।
अंबरमनिदिनमनिरवी सूरपुत्रचयअंग ॥ १४९ ॥
सूर्जमंडल। रविमंडलमंडनजोकोउ कहतमुनीजनजाहि।
सोवहनागरनन्दको क्योंबलिकपटीआहि ॥ १५० ॥
शिव नाम। गंगाधरहरशूलधर ससिधरशंकरवाम।
सर्वेस्वरभवशंभुशिव रुद्रकामरिपुनाम ॥ १५१ ॥
शूलीत्र्यम्बकत्रिपुरअरि ईसउमापतिहोय।
जटिलपिनाकीपसुपती नीलकंठशिवसोय ॥ १५२ ॥
वामदेवसोदेवजेहि राखतहियमेंओहि।
नाकोठकपटीकहनि कहाकहोंबलितोहि ॥ १५३ ॥

झूठ नाम। मिथ्यामोषमृषाअमृत व्याजअलीकनिरस्य।
ऐसेपियसौंझूठबलि क्योंबोलियेबिरस्य ॥ १५४ ॥
निकट नाम। अनतिदूरअतिपार्श्वपुनि उपसमीपअभ्यास।
अवसिअनादरहोयजो रहैनिरन्तरपास ॥ १५५ ॥
चन्दन नाम। गंधसारश्रीखण्डहरि मलयभद्रवाटीर।
चन्दनकोईंधनकरत मलयावासीभीर ॥ १५६ ॥
मीन नाम। सफरीअनमिषमत्स्यपुनि पृथुलोमापाठीन।
मकरउलूपीअण्डभव वैश्रवणाझखमीन ॥ १५७ ॥
छीरसमुन्दरमेंबसत जोचन्दहिढिगआहि।
चंदहिनंदनमदनजिमि जलनिधिमाननताहि ॥ १५८ ॥
सागर नाम। सिंधुसलिलपतिसरितपति अंभोनिधिकूपार।
पारावारअर्णवउदधि मणिमयअब्धिअपार ॥ १५९ ॥
रत्नाकरगुणरूपको जलनिधिगिरिधरलाल।
तेहिमिलिप्रेमकलोलिये यौंनबोलियेबाल ॥ १६० ॥
बलभद्र नाम। रौहिणेयबलभद्रबल संकर्षणबलराम।
नीलांबररेवतिरमण मूशलपाणिकराम ॥ १६१ ॥
अबरंचकजौचुपकरै कतबैठीजियलेत।
हरिहलधरकेवीरकी जीतबड़ाईदेत ॥ १६२ ॥
बानर नाम। कपिशाखामृगबलीमुख कीसदरभलंगूर।
बानरमर्कटप्लवगहरि तिनकहँभजुमनकूर ॥ १६३ ॥
पृथ्वी नाम। पृथ्वीक्षितिक्षोणीक्षमा धरणीधात्रीगाय।
उर्वीजगतीवसुमती वसुधासर्वसहाय ॥ १६४ ॥
विपुलाभूसागरधरा उराउर्वराहोय।
अचलाअवनीकुम्भिनी महीमेदिनीसोय ॥ १६५ ॥

विश्वम्भरावसुंधरा थिराकश्यपीआहि।
रसाअनन्ताभूमिका विलाइलाकहजाहि ॥ १६६ ॥
सबधरजेहिइकसीसपर शोभितजिमिकणवीर।
क्यौंश्रावततुअआखिनर हरिहलधरकेवीर ॥ १६७ ॥
बाण। तोमरखगअजिह्मगअसुग विशिखशिलीमुखबान।
कणमार्गननाराचइषु पत्रीशोषनप्रान ॥ १६८ ॥
सायकबायकबालबलि सिमिटशरीरमिलाहिं।
बचनतीरकीपीरसखि मिटैनजांजुगजाहिं ॥ १६९ ॥
अग्नि नाम। पावकवन्हीदहनदव ज्वलनधनंजयहोय।
शुक्रऊषबुधवातुसख मित्रहोत्रशिखिसोय ॥ १७० ॥
जातवेदज्वलजोतिहरि वैश्वानरचित्रभानु।
अनलकृशानविभावसु निर्जरजीभकृशानु ॥ १७१ ॥
वृहद्भानुश्राश्रयवकृरि अर्चैवसन्तरजोय।
बीतिहोत्रपुनिउषर्वधा धूमकेतुकहसोय ॥ १७२ ॥
अग्निदग्धद्रुमलतावलि फिरिदलफूलहिदेत।
वचनदग्धजेहिआनहीं बकृरिनअंकुरलेत ॥ १७३ ॥
मूर्ख नाम मुग्धमूढ़जड़मूकनर अज्ञअबुधवदशंठ।
मूरखजनजानैकहा मणिजैसेकपिकंठ ॥ १७४ ॥
पण्डित। कोर्तिकुशलकोविदनिपुण कृतिप्रवीननिष्णात।
पटुविदग्धनागरकोउ जानैरसकीबात ॥ १७५ ॥
अपराध नाम। अघअंघसहेलनअहित अवगुणजोईपीय।
कूपकाहजिमिराखिउर यौंनभाषियेतीय ॥ १७६ ॥
स्नेह नाम। सौहदहार्दसनेहहित प्रणयरागअनुराग।
कितगोनेरोप्रेमवह हेभामिनिवड़भाग ॥ १७७ ॥

परवत नाम । अगनगभूभृतदरीभृत घटक्षीशिखरीहोय ।
शैलशिलोच्चयगोत्रहरि अद्रिग्रावपुनिसोय ॥ १७८ ॥
गिरिगोवर्द्धनवामकर धर्योश्यामअभिराम ।
तोउरतेंबाधकधकी गईनअबलौंबाम ॥ १७९ ॥
सर्प नाम । उरगनागपन्नगभुजग जिह्मगभोगीसर्प ।
चक्षुश्रवाहरिसरीसृप काकोदरगरदर्प ॥ १८० ॥
आशीविषविषधरफणी मणीविलेशयव्याल ।
चक्रीदर्पीगूढ़पद लेलिहकेवलकाल ॥ १८१ ॥
कालियअहिगंजनसमय मैंराखीगहिबांह ।
नन्दनँदनपियप्रेमबस परीक्रतीदहमांह ॥ १८२ ॥
पीड़ा नाम । बाधाविथुराव्यथारुज पीड़ाव्याधिगलानि ।
अजहूंनपरसतपीरबलि किनसिखईयहबानि ॥ १८३ ॥
बन नाम । काननबिपिनअरण्यबन गहनकक्षकांतार ।
अटवीमांहअकेलिदइ मोहननन्दकुमार ॥ १८४ ॥
संध्या नाम । निसिमुखसंध्यापित्रप्रसव सायंकालप्रदोष ।
सांझपरीचलुएदई क्षमाकरहितजिरोष ॥ १८५ ॥
बिष नाम । गरलहलाहलक्ष्वेड़गर कालकूटरसमास ।
रसमेंबिरसनघोरिबलि चलियेबनकरुवास ॥ १८६ ॥
पपीहा नाम । कलसुकंठदात्यूहहरि चात्रिकसारँगनाउं ।
घनसोंरूठेपपीहरा नहिनबनेबलिजाउं ॥ १८७ ॥
रजनी नाम । क्षनदाक्षपातमस्वनी तमीतमिस्राहोय ।
निसिश्रीसदाविभावरी रात्रित्रिजामासोय ॥ १८८ ॥
सुखदसुहाईसरदकी कैसीरजनीजाति ।
चलुबलिमोहनलालपै कतबैठीअनखाति ॥ १८९ ॥

नभ नाम। अंबरपुष्करविष्णुपद अन्तरिक्षनभवास।
व्योमअनन्तविहायसखि सरवर्त्मनआकास ॥ १९० ॥
गगनजोउडगनवनिरहे नेकुचलोतजिरोष।
देखननेरोहृपजनु सुरतियकीन्हभरोष ॥ १९१ ॥
संग्राम नाम। आयोधनरणआजिमृध आहवजन्यसमीक।
समराईसंगरसमर संजुगकलहअनीक ॥ १९२ ॥
सुरतिजुद्धजबपीयसों तोहिबनेगीबाम।
नखनाराचनिसुनिकुंवरि तोकहँकहीप्रणाम ॥ १९३ ॥
नख नाम। करजपुनर्भवनखरनख रहेरंगनिधिवाम।
करक्षितईसोंलिखतहैं नहिंनखसोंककुकाम ॥ १९४ ॥
अल्प नाम। लेशअल्पलवसूक्ष्मतनु निपटउदरकृशतोर।
ककुवलिएतोमानरचि राख्योहैकिहिठौर ॥ १९५ ॥
मकरी नाम। लूताहूनामर्कटी ऊर्णनाभिपुनिहोय।
जनुकङ्गमकरीगुनकरी पकरीविद्यासोय ॥ १९६ ॥
मार्ग नाम। वर्त्मरुअध्वामार्गपथ संचरपादविहार।
मगदेखततोपहँगई मोहननन्दकुमार ॥ १९७ ॥
दया नाम। मायादयाकृपाघृणा अनुकंपाअनुक्रोस।
करुणाकरिकरुणानिधे क्षमाकरचितजिरोस ॥ १९८ ॥
खड्ग नाम। रिसिककुसेचकृपानअसि विशसनपाकरवाल।
खड्गजितोनेतोकहो खईकरतकतवाल ॥ १९९ ॥
दिशा नाम। हरितकाष्ठाककुभदिश गोआसाहुहिओर।
कबकेचितवतहेदई मोहननन्दकिशोर ॥ २०० ॥
नदी नाम। सरिताध्वनीतरंगिनी ह्रदिनीतटिनीहोय।
स्रोतस्वनीस्रवन्तिनी धीरक्रोसवहिसोय ॥ २०१ ॥

सैवलिनीसारस्वती द्वीपवतीअलमाल ।
नदीनिमग्नाआपगा रहितबाटचलुबाल ॥ २०२ ॥
पिता नाम । तातजनकरुजितापिता बप्पातोगुणधाम ।
बाबातोहिनँदलालको देतङ्गतोहैभाम ॥ २०३ ॥
विवाह नाम । करपीड़नपाणिग्रहण उपयमविहितविवाह ।
सोतिजपरिभवनहिंकरुं दुखदेतीबलिनाह ॥ २०४ ॥
मदिरा नाम । मधुमाध्वीमदिराइरा सुरावारुणीहोय ।
आसवमयकादंबरी मधुवारामिविसोय ॥ २०५ ॥
सिंदुररसनाबुद्धिदा हालासिंधुप्रकृति ।
मदपीवेजिमिवकतकोउ कहावकिरहीदूति ॥ २०६ ॥
स्वभाव नाम । प्रकृतिनिसर्गस्वरूपपुनि संसिधिभावस्वभाव ।
कौनटेवटेढ़ीपरी सुन्दरशीललखाव ॥ २०७ ॥
अंधकार । अंधतमिस्रकृतिमिरतम ध्वांतसुकुहरनिहार ।
सोतेरेदेखेकुंवरि सौमनतेलअँधार ॥ २०८ ॥
वृक्ष नाम । पक्षीवर्हिफलीदली वृक्षमहीरुहहोय ।
शाखीविटपीअनोकुह कुटद्रुमपादपसोय ॥ २०९ ॥
कल्पतरोरुहतल्परचि कवकेविलपतपीय ।
तदपिनतनकदयाकरुं आवतनिरदयहीय ॥ २१० ॥
पत्र नाम । पत्रपरणदलछदनछद खरकतजवतरुपात ।
तुअआगमभ्रमचौंकिपिय फूलोउतलौंजात ॥ ३११ ॥
पवन नाम । श्वसनसदागतिअनिलपुनि मारुतअरुजगप्रान ।
पवनप्रभंजनअग्निसख नभस्वानपरमान ॥ २१२ ॥
मरुतवातअरुगंधवह निःश्वासनपवमान ।
वायूवङ्गरिसमीरकहि पवननामयेजान ॥ २१३ ॥

सुवतनपरिमलपरसिजब गवनतधीरसमीर।
ताकहँबकुसनमानकरि परिरंभतबलबीर ॥ २१४ ॥
ध्वनि नाम। नादनिनदध्वनिशब्दरव स्वनसुघोषरुतराव।
मुखरबांसुरीमेंकहत हेप्राणेश्वरिआव ॥ २१५ ॥
आज्ञा नाम। बयादेशनिर्देशपुनि आज्ञाशासनयोग।
आयसुदैअवजाउंबलि लहेसुप्रियतमलोग ॥ २१६ ॥
अति नाम। इढ़अतिसयअतिबेलअति अतिक्रान्तअत्यन्त।
अतिसर्वत्रभलीनहीं कहिगेसन्तअसन्त ॥ २१७ ॥
समूह नाम। निकरव्यूहसंदोहपुनि ब्रजस्तोमसमुदाय।
चयदलजालकषालकुल निबहयूथसमवाय ॥ २१८ ॥
व्रातअनेककदंबगन ग्रामबिसरबकुवृन्द।
मैंअनेकबातेंकही भईतवाकीबुन्द ॥ २१९ ॥
अल्प नाम। दरसतोषईषदविरल रंचकमन्दपवाकु।
तबपियसहचरितनचितय मुसकीकुंअरितनाकु ॥२२०॥
दुख। कदनविदुनअकदनतुदा गहनवृजिनक्लेशआहि।
दुखजनिदेअबजानदै कनबैठीअनखाहि ॥ २२१ ॥
अर्द्धरात्रि। निसिनिसिनिशिथनिशाहनिशि होनलगीअधरात
कौनचलैसखिसोयरहु जैहोंउठिपरभात ॥ २२२ ॥
बज्र। अशनिकुलिशपविभिदुरपुनि बज्रह्रादिनीआहिं।
परोबरेकेधामजे बिरसकरेंरसमाहिं ॥ २२३ ॥
लज्जा नाम। ह्रीलज्जाब्रीड़ात्रपा सकुचनकरुबिनुकाज।
पियप्यारेपैचलियबलि औषधखातकिलाज ॥ २२४ ॥
जूता नाम। पदत्राणकोपानपुनि पादपृष्ठम्हदुभाय।
पनहींमनहींभावती आगेधरीसुलाय ॥ २२५ ॥

अटारी नाम। सौधहर्म्यप्रासादतें चलीयुवतिगतिमन्द।
शोभितमुखजनुगगनतें अवनिहिउतरतचन्द ॥ २२६ ॥
हिमकरचांदनी। ज्योतस्नापुनिकौमदी हिमकरचांदनिनाउं
जौन्ह चन्द्रिकासीपरत थोरोहँसिबलिजाउं ॥ २२७ ॥
वीथी नाम। खोरिप्रतोलीवीथिका रथ्याविशिखाआहि।
यहीगलीचलियेबली निपटनिकटपिउआहि ॥ २२८ ॥
उपवन नाम। कंतारण्यउद्यानपुनि उपवनसोइआराम।
इहवृन्दावनबागतुव लखुबलिकविकोधाम ॥ २२९ ॥
बसन्त नाम। कुसुमाकरऋतुराजमधु माधवसुरभिवसन्त।
मालीज्योंजुगवैसदा यातेंअधिकलसन्त ॥ २३० ॥
पक्षी नाम। द्विजशकुंतपक्षीशकुनि अंडजविहगविहंग।
खगसुपद्मीपत्नरथ पत्रीपतगपतंग ॥ २३१ ॥
नटतविहंगमरँगभरे कोमलकंठसुजात।
तुअआगमआनन्दजनु फूलेअंगनमात ॥ २३२ ॥
पीपर नाम। चलदलपीपरगजअसन बोधिद्रुमअश्वत्थ।
पिप्पलहैचलुदाहिनो जोरिहाथधरिमत्थ ॥ २३३ ॥
पाटल नाम। थालीपटनीफलनुहा बामास्थामानाम।
अंबरस्थमधुतोयसै पाटलकरतप्रनाम ॥ २३४ ॥
आम्र नाम। पिकबंधुरकामांगपुनि मधूदूतसहकार।
चूतरसालकिडालबलि नैजुरहीफलभार ॥ २३५ ॥
महुआ नाम। माधवमधुद्रुममधुस्रवा मधुष्ठीवगुड़फूल।
येजुमधुककेफूलबलि कहुतुअगड़नीटूल ॥ २३६ ॥
दाड़िम नाम। अस्तबीजहानीककर स्वकपीकद्रुमसार।
येदाड़िमद्रुमिदेखबलि कहुतुअदसनाकार ॥ २३७ ॥

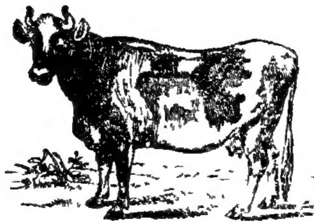
केरा नाम। रंभाअरुवारणवुसा भानुफलासुकुमार।
येकदलीजिनकेकछू तजैजंघअनुहार ॥ २३८ ॥
बेल नाम। सुरभीसिलकोसदाफल बेलतालमालूर।
येश्रीफलतुअकुचनसम कहतबकुनकबिकूर ॥ २३९ ॥
तमाल नाम। कालकंधतापिच्छपुनि कण्डुकसोईतमाल।
बैठिरहैजहँकाल्हरह तुअसमोहनलाल ॥ २४० ॥
कदम्ब नाम। न्रत्यनोपप्रीअंकसोइ मदिरागंधसुवाह।
येकदम्बतरुकान्हचढ़ि कूदेहैंदहमाह ॥ २४१ ॥
टेसू नाम। पीतचोपपुनिब्रह्मद्रुम किंशुकबकुरिपलास।
टेसूबिरहीजननको नाहरनखसुबिलास ॥ २४२ ॥
बहेरा। अक्षविभीतकफघातफल सुखत्रिलिंगकलिवृच्छ।
भूतावासबहेरतरु हैंजनिचलियम्टगच्छ ॥ २४३ ॥
नारियर नाम। बानरमुखलंगूरफल नारिकेलिसुभकाम।
येतरुनीकेनारियर तोकहँकरतप्रनाम ॥ २४४ ॥
सुपारी नाम। घोंटाकुमुंकगुआपुनि पूगसुपारीआहि।
बारबारइमिकहतबलि रंचकयहितनचाहि ॥ २४५ ॥
केमाच नाम। कोलवल्लिकाकपिलता विस्वश्रेयसीनाउं।
कंडुकरतियेअंगमें काननकेबलिजाउं ॥ २४६ ॥
मिरिचलता। रिमिकाउखनाकोलका कृष्णफलापुनिनाउं।
मिरचलतापगपरिकहै भलीकरीबलिजाउं ॥ २४७ ॥
पीपर नाम। कोलाकृष्णामाधवी तिग्मतुपङ्लाहोय।
बैदेहीस्यामाकना सोपडीकहियेसोय ॥ २४८ ॥
यहपीपरबलिपगगहत कहतबकुतपरकार।
अबतेइतनीकरिकुंबरि प्रीतमप्राणअधार ॥ २४९ ॥

हरड़ा नाम। अभयापथ्याअव्यथा अमृताचेतकिहोय।
कायस्थापुनिपूतना सिवाश्रेयसीसोय ॥ २५० ॥
हरिड़ाबक्ररिहरीनकी हरनउदरकोरोग।
तेतुअगिरधरलालके बालसकलसुखभोग ॥ २५१ ॥
द्राक्षा नाम। स्वादीमृड़ासुकामधुक काममेखलाहोय।
गुड़ासुप्रबलागोस्तना चारुफलापुनिसोय ॥ २५२ ॥
यहकुद्राखलिपांतर रंचकएहितनचाहि।
नहिनगँसीलीबालसी निपटरसीलीआहि ॥ २५३ ॥
असुर नाम। दानवदनुजसुदैत्यपुनि सुररिपुअसुरअसन्त।
मायारूपीरैनदिन डोलतसूरअनन्त ॥ २५४ ॥
पावरी नाम। सुखीरानटोनखधवरि कपोतीन्द्रिपरबाल।
तुअअधरनसमकहतकवि येनहिंमृदुलरसाल ॥ २५५ ॥
केसर नाम। कश्मीरीकुंकुमरुधिर देवबल्लभानाउं।
यहकेसरपगपरिकहत भलीकरीबलिजाउं ॥ २५६ ॥
सोंठ नाम। विश्वानागरविश्वभिषक् महाऔषधीनाउं।
येसुंठीलुंठीपगन कहतकिबलिबलिजाउं ॥ २५७ ॥
जुही नाम। हरिनीगणिकायुथिका हेमपुष्पिकाजाय।
जुहीयूथिगूंथनिकबिन मागधिलेतबलाय ॥ २५८ ॥
राजबल्ली नाम। अंबश्रेष्ठअजबादनी राजबल्लिकाआहि।
तुमहिंदेखिफूलीजुबलि रंचकएहितनचाहि ॥ २५९ ॥
चमेली नाम। सुमनाजातीमल्लिका उत्तमगन्धाआस।
कछुतुवतनकीबासतें मिलतमालतीबास ॥ २६० ॥
सजीवनमूरि। जीवनमधुअममधुश्रवा जिवनजिवापुनिनाउं।
इतहिसजीवनमूरितें जीवन्तीबलिजाउं ॥ २६१ ॥

दुपहरिया। बंधुजीवबंधूकजब यावकसमपुनिश्राहि।
कुंकुमफलदुपहरिके नितफूलेतोहिचाहि ॥ २६२ ॥
गुंजा नाम। काकचिंचिकाकृष्णला गुंजाकरतप्रणाम।
सुखदश्यामकविधामको लेतश्याममुखनाम ॥ २६३ ॥
केतकी नाम। ककचच्छदश्ररुचिणद्रुमा केतकिपकरतपाय।
तुवश्रागमश्रानन्दवलि फूलीश्रंगनमाय ॥ २६४ ॥
लवंग नाम। देवकुसुमसंश्रोगपुनि जाचकजाकोनाउं।
ललितलवङ्गलताइतहि पगनपरतबलिजाउं ॥ २६५ ॥
इलायची नाम। चन्द्रबालकानोकपुनि निकुटबालिकाबेलि।
एलावक्रलालायची वलिरंचकमुखमेलि ॥ २६६ ॥
माधवी नाम। बासंतीपुष्पाङ्कसोइ मुक्तलतापुनिनाउं।
इतमाधविकापरतपग नेकुचितैबलिजाउं ॥ २६७ ॥
पान नाम। तांबलंश्रहिवल्लिका द्विजापानकीवेल।
सरसभईतुवदरसतें बलिरंचकमुखमेल ॥ २६८ ॥
वट नाम। जटिलपरोरक्तपालबट रक्तफलान्यग्रोध।
यहवंसीबटदेखुबलि सबसुखनिरूपधबोध ॥ २६९ ॥
सरोवर नाम। ह्रदपुष्करकासारसर सरसीतालतड़ाग।
यहदेखोबलिमानसर फूल्योतुवश्रनुराग ॥ २७० ॥
यमुना नाम। कलिन्दीरविजाबक्करि कृष्णाश्यामलश्राप।
यहयमुनासोसमुद्रफिरि श्रावनतुवपरताप ॥ २७१ ॥
तरङ्ग नाम। भंगतरंगकलोलपुनि बीचीउरमिसुभाय।
लहरीहाथपसारिजनु यमुनापकरतिपाय ॥ २७२ ॥
तट नाम। कूलपुलिनउपकंटतट रोधघोषश्रभ्यास।
तीरप्रतीरहिजाउबलि येश्रायेपियपास ॥ २७३ ॥

बेंत नाम। बेंतक्करीबिड्डीक्करिब भूपखियारानीर।
मंजुलबंजुलकुंजनर बैठेहैंबलबीर ॥ २७४ ॥
कोकिल। परभृतकलरवरक्तदृग पिकध्वनिलहँरसपुञ्ज।
जनपियअनचितितोचिलखि टेरतबलिबलिकुञ्ज ॥ २७५ ॥
इन्द्री नाम। गोऋषीकग्रंकरणगण ज्योंइन्द्रोअसुपाय।
त्योंराधामाधवमिले परमप्रेमहरषाय ॥ २७६ ॥
माला नाम। मालास्रकस्रजगुणवती मा ल्यनामकीदाम।
जोनरयहकंठधिरखै ह्वैहैकविकोधाम ॥ २७७ ॥
जुगल नाम। यमलयुगलयुगद्वैवद्वै उभयमिथुनप्रियपीय।
जुगलकिशोरसदावसो नन्ददासकेहीय ॥ २७८ ॥

इति श्रीकवि नन्ददासजी कृत
नाममाला समाप्तम्
शुभमस्तु ॥
संवत १९४८।



इस समय हमारे यहां निम्न लिखित पुस्तकें तयार हैं।



प्रेमतरंग। श्रीबाबू हरिश्चन्द्र रचित ठुमरी, भजन, होली, मलार गजल, लावनी, सब ऋतुओं में आनन्ददायक दाम ।) आ०

रसबरसात। वर्षा ऋतु में गाने योग्य ठुमरी, गजल, मलार, हिंडोला, कजली आदि का संग्रह दाम ⅔) आना।

नई बहार। बहार, बसन्त, होली तथा चैती इत्यादि बसंतपंचमी से चैत तक के गाने की सब तरह की चीजें दाम ।) आ०

चुरिहारिनलीला। चुरिहारी के गाने की लावनी और दोहा चौपाई में लीला दाम ✓) आना।

चमनिस्तानेहमेशःबहार प्रथम भाग। इसमें छापेखाने के मालिक अमीर सिंह ने वह गजलें रक्खी हैं जिनको लोगों ने गानेवालों से सुना है और याद करने की इच्छा है अब इसके जरिये से बखूबी याद कर लें दाम ।) आना।

चमनि० २ भाग। इसमें ठीक पहिले हिस्से के जोड़ तोड़ की और पुरमजमून आशिकों के देखने लायक गजलें हैं दाम ।✓) आना।

चमनि० ३ भाग। इसमें सिर्फ दीवान सफ़दर जो मशहूर है उसमें से अच्छी २ गजलें करीब १०० के छपी हैं दाम ।) आना।

चमनि० ४ भाग। इसको हरएक लिखने पढ़नेवालो को अपने पास रखना चाहिये इसमें २५० शेरें और २०० दोहे सोरठा, बरवा, कवित्त, सवैया, श्लोक जो चिट्ठी लिखने के समय काम में आवें अति उत्तम रीति से रक्खे गये हैं दाम ।) आना महसूल हरएक हिस्से का)॥